

उचेड़ा वाली माता (चंडी महारानी)

एक आन्दोलन, कलम से...

सम्पूर्ण परिवर्तन

Website: http://sampurnaparivartan.info/

RNI No.- DELHIN/2015/66896

Postal Regd. No. DL (S)-17/3504/2022-24

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 12 | अंक : 02 | नई दिल्ली, 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2026 | मूल्य : 5.00 रुपये | पृष्ठ : 8

सनातन धर्म का विश्व प्रसिद्ध पर्व दीपावली आज मनाया जाएगा



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रदोष एवं रात्रि व्यापिनी अमावस्या तिथि में आज 8 नवंबर रविवारको सनातन धर्म का विश्व प्रसिद्ध पर्व दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा ।

प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि कार्तिक मास की अमावस्या सबसे बड़ी अमावस्या मानी जाती है। इस दिन धन की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। महालक्ष्मी सुख-समृद्धि, धन और ऐश्वर्य की देवी हैं। इस वर्ष दिपावाली आज 8 नवंबर रविवार को मनाई जाएगी।

महालक्ष्मी की पूजा प्रदोष काल में स्थिर लग्न में होती है। जिससे महालक्ष्मी का स्थायी वास हो सके। दिवाली से पहले ऐसा क्या करें कि महालक्ष्मी का आपके घर में वास हो। महालक्ष्मी और अलक्ष्मी दोनों बहने हैं। दिवाली पर जहां लक्ष्मी का स्वागत किया जाता है, वहीं अलक्ष्मी को बाहर किया जाता है। अलक्ष्मी यानी दरिद्रता। शास्त्रों में कहा गया है कि जब समुद्र मंथन हुआ था, तब महालक्ष्मी से पहले उनकी बड़ी बहन अलक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि अलक्ष्मी ने उन्हीं जगहों पर प्रवेश करती हैं, जहां गंदगी रहती है, जहां लड़ाई-झगड़ा, गंदे कपड़े पहनने वाले लोग, अधर्मी होते हैं।

सभी लोग देवी लक्ष्मी को अपने घर आमंत्रित कते हैं। दीपावली पर की



गई लक्ष्मी जी की पूजा से सुख-समृद्धि मिलती है। दिवाली से पहले घरों की सफाई इसलिए की जाती है, जिससे घर से अलक्ष्मी को बाहर किया जा सके। जिन घरों में साफ-सफाई नहीं होगी, जहां गंदगी होगी, वहां लक्ष्मी नहीं, उनकी बड़ी बहन अलक्ष्मी का प्रवेश हो सकता है। जहां अलक्ष्मी आएंगी, वहां आलस, दरिद्रता, क्रोध, लालच आदि आएगा। इसलिए दीपावली से पहले अपने घर की अच्छी तरह साफ-सफाई कर लेनी चाहिए।

दीपावली आज लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रदोष एवं रात्रि व्यापिनी अमावस्या तिथि में आज 8 नवंबर रविवार को सनातन धर्म का विश्व प्रसिद्ध पर दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली मे लक्ष्मी पूजन के लिए तीन मुहूर्त निर्धारित किए जा रहे हैं।

लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त 1 दिन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थिर कुंभ लग्न - 01 से 2:31 तक

2 सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर वृष लग्न 5:37 से 7:34 तक

3 महानिशा में तांत्रिक पूजा मंत्र सिद्धि के लिए स्थिर सिंह लग्न 12:05 से 2:19 बजे तक शेष रात्रि तक किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति से दुष्ट शक्तियों का हुआ दमन: योगी आदित्यनाथ

कैलाशपति मिश्र

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में अपराध के प्रति डबल इंजन सरकार के जीरो टॉलरेंस (सख्त रुख) की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इससे दुष्ट ताकतों पर लगाम लगी है, कानून का शासन मजबूत हुआ है और पूरे राज्य में भयमुक्त माहौल बना है। 17 अक्टूबर को ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने अपराध के खिलाफ अपने प्रशासन के रुख और महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए देवी कालरात्रि के दिव्य स्वरूप का उल्लेख किया।

उन्होंने लिखा कि देवी कालरात्रि का दिव्य स्वरूप—जो दुष्ट शक्तियों, राक्षसों और 'रक्तबीज' (लगातार फैलने वाली बुराई का प्रतीक) जैसी ताकतों का विनाश करती हैं, धर्म की स्थापना करती हैं और अपने भक्तों को निर्भयता प्रदान करती हैं—एक गहरा संदेश देता है- अधर्म, अत्याचार और आतंक का समूल नाश ही वह आधार है, जिस पर न्याय, शांति और निर्भयता से युक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

योगी आदित्यनाथ ने 2017 से पहले के उस दौर को याद किया, जब राज्य में माफियाओं, दंगाइयों और अपराधियों के कारण भय और अव्यवस्था का माहौल था। इससे महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो गई थीं। उन्होंने कहा कि पिछले 9.5 वर्षों में, 'डबल-इंजन' सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (सख्त बर्दाश्त न करने) की नीति ने इन दुष्ट शक्तियों को दबा दिया है, जिससे पूरे राज्य में कानून



का शासन स्थापित हुआ है और भयमुक्त वातावरण बना है।

मुख्यमंत्री ने 'मिशन शक्ति', एकीकृत 1090 हेल्पलाइन, महिलाओं पर केंद्रित 'बीट पुलिसिंग' और 'सेफ सिटी' परियोजना जैसी पहलों के प्रभाव पर प्रकाश डाला। इन प्रयासों ने महिलाओं के लिए उनके घरों से लेकर सार्वजनिक स्थानों, शिक्षण संस्थानों और कार्यस्थलों तक एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया है।

उन्होंने पुलिस की प्रतिक्रिया समय (रिस्पॉन्स टाइम) में आए बड़े सुधार का भी उल्लेख किया। 2016 में जो समय 65 मिनट हुआ करता था, वह अब घटकर केवल पांच मिनट रह गया है। यह कानून-व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सरकार की तत्परता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बलिया जनपद स्थापना दिवस (1 नवम्बर) के 147वीं वर्षगांठ पर सभी बलिया वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ



बलिया कोषागार परिसर और आनंद उपवन में लगेगी हाईमास्ट लाइट, भूमि पूजन के साथ कार्य शुरू

आनंद मोहन मिश्रा

बलिया। जनपद में अपनी जनहितकारी पहलों के लिए पहचाने जाने वाले वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दुबे की पहल पर कोषागार परिसर और पेंशनर्स आनंद उपवन में हाईमास्ट लाइट लगाने के कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ हुआ।

इस अवसर पर एटीओ प्रभारी रामचंद्र, बर्मेश्वर नाथ पांडेय, धर्मनाथ सिंह, अनिल पांडेय, राघवेंद्र सिन्हा, रमाशंकर पांडेय, हरेंद्र सिंह, कर्मचारी संघ अध्यक्ष अवधेश यादव, विवेक, रवि, सौरभ, सरोज, रमेश सहित सैकड़ों पेंशनर्स, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हाईमास्ट लाइट लगने से परिसर में शाम के समय बेहतर रोशनी, सुरक्षा और आवागमन में सुविधा होगी। यहां आने वाले पेंशनर्स और आम लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

पेंशनर्स ने इस पहल के लिए वरिष्ठ कोषाधिकारी के प्रति आभार जताया और कहा कि उनके मृदुल व्यवहार और आत्मीयता से बुजुर्गों को परिवार जैसा अपनापन मिलता है। परिसर की हरियाली और साफ-सफाई से वातावरण खुशनुमा बना हुआ है।



संपादकीय

प्रदूषण की गंभीरता

यह विडंबना ही है कि जब देश की राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता दिखायी देती है तो देश के नीति-नियंता पराली निस्तारण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने लगते हैं। अभी कोई अंतिम वैज्ञानिक अध्ययन भी सामने नहीं आया है कि पंजाब या अन्य राज्यों में पराली जलाने की प्रदूषण में कितनी फीसदी भूमिका है। लेकिन एक बात तो तय है कि पराली निस्तारण के जो भी विकल्प दिए जाते हैं, वे समय के अनुरूप किसान की सुविधा व आर्थिकी के अनुरूप नहीं हैं। यदि ये उपाय कारगर होते तो पराली प्रबंधन पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपयों पर एक छोटी-सी माचिस भारी न पड़ती। किसान अपने खेतों में पराली को बार-बार यदि आग के हवाले करते हैं तो उसके पीछे का कड़वा सच यह भी है कि धान के अवशेषों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की तुलना में, पराली जला देना उसे सुविधाजनक, सस्ता तात्कालिक निस्तारण का विकल्प नजर आता है। निस्संदेह, जब तक आर्थिक रूप से लाभप्रद विकल्प किसान को नहीं दिया जाता, तब तक केवल सब्सिडी देने या दंडात्मक कार्रवाई करने के बहुत सीमित परिणाम ही सामने आएंगे। सूत्रों के अनुसार पंजाब में 15 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच खेतों में पराली जलाने की 574 घटनाएं दर्ज की गई हैं। यदि पिछले साल के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो इसी अवधि में 561 घटनाएं ही सामने आई थीं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 270 घटनाएं अकेले तरनतारन में और 144 घटनाएं अमृतसर के इलाके में सामने आई हैं। जो बताती हैं कि इन दोनों इलाकों में विशेष रूप से ध्यान देने और पराली जलाने से रोकने के लिये ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अभी भी धान की फसल काटने का मौसम चल रहा है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इस साल पराली प्रबंधन के लिये 576 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके अलावा सब्सिडी वाली लगभग 21,155 मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं।

दरअसल, सरकारी आर्थिक मदद के बावजूद किसानों को मशीनों को चलाने के खर्च, धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच बहुत कम समय समय मिलने और जरूरत के समय मशीनें न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक तरीके से पराली प्रबंधन करने में प्रति एकड़ दो हजार से लेकर ढाई हजार रुपये तक खर्च आ सकता है। तभी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को पराली जलाना सबसे आसान विकल्प लगता है। हालांकि, शासन व प्रशासन ने पराली जलाने से रोकने के लिये सख्ती बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार अब तक पराली जलाने के मामले में 113 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा जमीन के रिकॉर्ड में 205 रेड एंट्री की गई हैं। साथ ही 11.4 लाख रुपये का पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आर्थिक दंड लगाया गया है। निस्संदेह, देश में व्याप्त पर्यावरण संकट के मद्देनजर ऐसी कार्रवाई करना भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि खेतों में पराली जलाने से समाज को प्रदूषण के रूप में सेहत के लिये भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

हालांकि, केवल जुर्माना लगाने से व्यावहारिक विकल्पों की कमी पूरी नहीं हो सकती। साथ ही, साफ हवा बनाये रखने की पूरी कीमत अकेले किसानों को ही नहीं चुकानी चाहिए। दरअसल, प्राथमिकता यह रहे कि फसल अवशेषों का प्रबंधन सस्ता और सहज-सुलभ हो। इसके लिये पराली एकत्र करने और उसे ढोने के लिये जरूरी मशीनों यानी बेलर्स की कमी को भी दूर किया जाना चाहिए। किसानों को बायोमास पॉवर प्लांट, ईंट-भट्टों और अन्य उद्योगों से जोड़ने वाले भरोसेमंद बाजार उपलब्ध कराकर, कृषि अवशेषों को एक आर्थिक संसाधन में बदला जा सकता है। इसके साथ ही बिना आग लगाए पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को प्रोत्साहन देने पर भी विचार किया जाना चाहिए। सही मायने में सफलता को इस आधार पर मापा जाना चाहिए कि कितने खेतों को बिना जलाये साफ किया गया, न कि इस आधार पर कि कितना पैसा खर्च हुआ। या फिर कितनी मशीनें बांटी गई। इस दिशा में पंजाब में केंद्र सरकार, राज्य सरकार,उद्योगों और किसानों को तालमेल के साथ काम करना चाहिए।

धनदायक श्री कुबेर उपासना विधि



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

कुबेर धन के अधिपति यानि धन के राजा हैं। पृथ्वीलोक की समस्त धन संपदा का एकमात्र उन्हें ही स्वामी बनाया गया है। कुबेर भगवान शिव के परमप्रिय सेवक भी हैं। धन के अधिपति होने के कारण इन्हे मंत्र साधना द्वारा प्रसन्न करने का विधान बताया गया है।

कुबेर मंत्र को दक्षिण की और मुख करके ही सिद्ध किया जाता है।

अति दुर्लभ कुबेर मंत्र इस प्रकार है-

नमः श्रीं, ह्रीं श्रीं, ह्रीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय:

मन्त्र जप से पहले विनियोग करें

अस्य श्री कुबेर मंत्रस्य विश्वामित्र ऋषि:वृहती छन्द: शिवमित्र धनेश्वरो देवता समाभीष्टसिद्धयर्थे जपे विनियोग:

हवन:- तिलों का दशांस हवन करने से प्रयोग सफल होता है। यह प्रयोग शिव मंदिर में करना उत्तम रहता है। यदि यह प्रयोग बिल्वपत्र वृक्ष की जड़ों के समीप बैठ कर हो सके तो अधिक उत्तम होगा। प्रयोग सूर्योदय के पूर्व संपन्न करें।

मनुजवाह्य गुरूडरत्नानिभं निधिनाकम्।

विमानवरस्थितं शिव संख युक्तादिवि भूषित वरगदे दध गतं भजतांदलम्।।

-कुबेर के अन्य सिद्ध विलक्षण मंत्र

अष्टाक्षर मंत्र - वैश्रवणाय स्वाहा: षोडशाक्षर मंत्र - श्री ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः।

पंच त्रिंशदक्षर मंत्र- यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्याधिपतये धनधान्या समृद्धि देहि दापय स्वाहा।

श्री कुबेर पूजन जप संक्षिप्त विधि श्रीधनदायक कुबे कुबेर यंत्र को लाल कपड़ा बिछाकर चौकी पर स्थापित करें इसके बाद शरीर और पूजन सामग्री एवं भूमि पवित्रीकरण के पश्चात सर्वप्रथम हाथ मे पुष्प लेकर ध्यान मंत्र बोले और यंत्र के ऊपर छोड़ दें इसके बाद घी का दीपक जलाकर आगे की प्रक्रिया करें।

ध्यान मंत्र -

मनुज बाह्य विमान स्थितम्, गरूड़ रत्न निभं निधि नायकम् ।

शिव सखं मुकुटादि विभूषितम्, वर गदे दधतं भजे तुन्दिलम् ।।

इसके बाद यथा सामर्थ्य पंचोपचार अथवा षोडशोपचार से पूजन कर यथा कामना मानसिक संकल्प से संकल्प के बाद हाथ या आचमनी में जल लेकर विनियोग मंत्र पढ़ भूमि पर गिरा दें। कुबेर मन्त्र विनियोग अस्य मन्त्रस्य विश्रवा ऋषि:, वृहती छन्द:, कुबेर: देवता, सर्वेष्ट-सिद्धये जपे विनियोग:। ऋष्यादि न्यास विश्रवा-ऋश्वये नमः शिरसि, वृहती-छन्दसे नमः मुखे, कुबेर-देवतायै नमः हृदि। सर्वेष्ट-सिद्धये जपे विनियोगाय नमः

सर्वांगे षडग-न्यास कर-न्यास अग-न्यास यक्षाय अंगुष्ठाभ्यां नमः हृदयाय नमः कुबेराय तर्जनीभ्यां स्वाहा शिरसे स्वाहा वैश्रवणाय मध्यमाभ्यां वषट् शिखायै वषट् धन-धान्यधिपतये अनामिकाभ्यां हुं कवचाय हुं धन-धान्य-समृद्धिं मे कनिष्ठिकाभ्यां वौषट् नेत्र-त्रयाय वौषट् देही दापय स्वाहा करतल करपृष्ठाभ्यां फट्

अस्त्राय फट्

न्यास की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद इन तीनों में से किसी भी एक मंत्र का जप आज से ही आरम्भ करें तथा दस हजार होने पर दशांश हवन करें या एक हजार मंत्र अधिक जपें। इससे यंत्र भी सिद्ध हो जाता है। वैसे सवालाख जप करके दशांश हवन करके कुबेर यंत्र को सिद्ध करने से तो अनंत वैभव की प्राप्ति हो जाती है। कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है।

वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-

कुबेर देव का मंत्र

यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

धन्वंतरि स्तोत्र शंखं चक्रं जलौकां दधदमृतघटं चारुदोर्भिश्चतुर्भिः। सूक्ष्मस्वच्छातिहृद्यांशुक परिविलसन्मौलिमंभोजनेत्रम ॥ कालाम्भोदोज्वलांगं कटितटविलसच्चारूपीतांबराढ्यम।

वन्दे वन्द धन्वंतरिं निखिलगदवनप्रौढदावाग्निलीलम ॥

नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतराये:

अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय

सर्व रोगनिवारणाय त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्री महाविष्णुस्वरूप श्री धन्वंतरि स्वरूप श्री श्री श्री औषधचक्र नारायणाय नमः ॥

यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र एवं स्तोत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार या इससे अधिक जप करें स्तोत्र पाठ को भी कम से कम 3,5 या 11 पर बढ़े। जप, पाठ करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें -

ते।। जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां

इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, तं कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

दैनिक जाप एवं पाठ पूर्ण होने पर भूमि पर जल गिरा कर माथे से लगाये तथा प्रणाम कर उठ जाए साधना काल मे प्रत्येक दिन यही प्रक्रिया दोहराए।

दीपावली आज लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रदोष एवं रात्रि व्यापिनी अमावस्या तिथि में आज 8 नवंबर रविवार को सनातन धर्म का विश्व प्रसिद्ध पर दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली मे लक्ष्मी पूजन के लिए तीन मुहूर्त निर्धारित किए जा रहे हैं।

लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त 1 दिन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थिर कुंभ लग्न - 01 से 2:31 तक

2 सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर वृष लग्न 5:37 से 7:34 तक

3 महानिशा में तांत्रिक पूजा मंत्र सिद्धि के लिए स्थिर सिंह लग्न 12:05 से 2:19 बजे तक शेष रात्रि तक किया जाएगा।

डॉ. वी. बी. सिंह का बड़ा राजनीतिक फैसला, भाजपा छोड़ राष्ट्र निर्माण पार्टी में हुए शामिल

देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. वी. बी. सिंह ने भारतीय जनता पार्टी से अपना नाता तोड़कर राष्ट्र निर्माण पार्टी का दामन थाम लिया है।

डॉ. वी. बी. सिंह का यह निर्णय दिल्ली की राजनीति में एक नई चर्चा का विषय बन सकता है। उनके राष्ट्र निर्माण पार्टी से जुड़ने को पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीति में पद और पहचान से बढ़कर जनता का विश्वास, विचारधारा और समाज के लिए काम करने का संकल्प महत्वपूर्ण होता है। डॉ. वी. बी. सिंह का यह कदम उनके नए राजनीतिक सफर की शुरुआत है।



राष्ट्र निर्माण पार्टी से उनके जुड़ने के बाद समर्थकों और कार्यकर्ताओं में नए उत्साह की उम्मीद है। अब देखना होगा कि उनका अनुभव और नेतृत्व पार्टी को दिल्ली में कितनी नई मजबूती प्रदान करता है।

अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर शेखर सिंह चौहान का गाजियाबाद में भव्य सम्मान समारोह, 'सवेरे का सवाल' समाचार पत्र का हुआ शुभारंभ

शिवाशंकर चौबे

गाजियाबाद। रविवार को जनपद गाजियाबाद में अखिल भारतीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर शेखर सिंह चौहान जी के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट वेद प्रकाश शर्मा जी और देवेंद्र चौहान जी ने की तथा मंच का सफल संचालन बीएस पाल जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के दौरान 'सवेरे का सवाल' समाचार पत्र का भी शुभारंभ किया गया जो संगठनात्मक एकता, सामाजिक जागरूकता एवं स्वतंत्र पत्रकारिता के प्रति सम्मान का प्रतीक बना। इस अवसर पर





सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर शेखर सिंह चौहान जी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की एकता, राष्ट्रहित, जनसेवा और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना अखिल भारतीय करणी सेना का प्रमुख संकल्प है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता समाज को जागरूक करने और जनहित के मुद्दों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 'सवेरे का सवाल' समाचार पत्र के शुभारंभ पर समाचार पत्र परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह समाचार पत्र निष्पक्ष, निर्भीक एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सशक्त आवाज बनेगा। महिला शक्ति के रूप में श्रीमती पुष्पा पांडे जी और रुचि शर्मा जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ठाकुर शेखर सिंह चौहान जी राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री आरसी पाल रमेश पाल जी राष्ट्रीय मंत्री, श्री पंकज राणा जी जिला अध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर नोएडा, श्री अजय शर्मा जी जिला अध्यक्ष गाजियाबाद और श्री सौरभ शर्मा जी निजी सचिव के साथ संगठन के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अखिल भारतीय करणी सेना ने सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती, राष्ट्रहित एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की रम्भा एकादशी व्रत आज मनाया जाएगा



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

कार्तिक कृष्ण पक्ष की रंभा एकादशी व्रत आज 5 नवंबर गुरुवार को सबके लिए मनाया जाएगा। प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में एकादशी व्रत का खास महत्व है। आपको बता दें कि एक साल में करीब 24 एकादशी पड़ती हैं हालांकि, अगर किसी साल में अधिक मास होता है, तो उसमें दो और एकादशियां बढ़ जाती हैं और इस तरह कुल 26 एकादशियां पड़ती हैं। वहीं यहां हम बात करने जा रहे हैं रमा एकादशी के बारे में, जो कार्तिक मास में पड़ती है। इस वर्ष रम्भा एकादशी व्रत आज 5 नवंबर गुरुवार को मनाई जाएगी। रम्भा एकादशी पर भगवान विष्णु की भक्ति भाव से आराधना की जाती है और विष्णु जी की पूजा के साथ ही देवी मां लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। जिससे भक्त एक साथ दोनों की कृपा पाते हैं।

रम्भा एकादशी का धार्मिक महत्व: प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि रमा एकादशी का व्रत रखने से धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

वहीं जीवन में हर एक भौतिक सुखों की प्राप्ति से लेकर जीवन के बात मोक्ष की प्राप्ति के लिए रमा एकादशी का व्रत रखा जाता है।

धनतेरस का प्रसिद्ध पर्व आज 6 नवंबर शुक्रवार को मनाया जाएगा



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

धनतेरस का प्रसिद्ध पर्व आज मनाई जाएगी धन ऐश्वर्य के वृद्धि की कामना से विधिवत महालक्ष्मी का पूजन किया जाएगा। इसके लिए सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर वृष लग्न 5:45 से 7:42 के मध्य प्राप्त हो रही है।

प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि धनतेरस का त्योहार हर कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति भक्तों को होती है। धन त्रयोदशी (धनतेरस) का प्रसिद्ध पर्व प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि मिलने के कारण 6 नवंबर शुक्रवार को किया जाएगा। एवं आज ही धन्वंतरि जयंती भी धनतेरस खरीदारी का दिन माना जाता है। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर जी की पूजा की जाती है। इस दिन सोने चांदी सहित घरेलू उपयोग की चीजों को खरीदना शुभहोता है। श्री शास्त्री जी महाराज ने बताया ऐसी मान्यता है कि इस दिन भूमि, भवन, वाहन सहित अन्य चीजों को खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। मिट्टी के दीये, श्रीयंत्र, सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, झाड़ू, नमक आदि खरीदना शुभमाना जाता है। प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि धन त्रयोदशी धनतेरस का मन प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि मिलने के कारण 6 नवंबर शुक्रवार को होगा एवं आज ही धन्वंतरि जयंती मनाई जाएगी धनेश्वर जी में वृद्धि की कामना से विधिवेटिव महालक्ष्मी पूजन के लिए सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर लग्न शाम 5:45 से 7:42 के बीच होगा इस दौरान आप खरीदारी भी कर सकते हैं। वहीं दिन में 11:06 मिनट से त्रयोदशी तिथि के शुरू होते ही खरीदारी करने का शुभ समय शुरू हो जाएगा। इस दिन आप सोने-चांदी के आभूषण ले सकते हैं। इसके साथ ही अन्य चीजों जैसे झाड़ू, घर का सामान आदि भी इस दिन खरीदना शुभ माना जाता है।

बलिया जनपद मे अपने राजनैतिक सूजबूझ और अपने प्रतिभा कौशल से अपने को स्थापित कर भाजपा को उस समय एक आधार दिया जब बलिया मे भाजपा अपनी जमीन तलाश कर रही थी और एक सफल दो कार्यकाल जिला अध्यक्ष पद पर रह कर (1998 से 2004) जमीनी स्तर पर मजबूत करने वाले हमारे पूजनीय पिता जी स्व. पी.एन. तिवारी जी (पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा) की आज 14 वे पुण्यतिथि है हम सभी परिवार के सदस्य गण आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं! भावभीनी श्रद्धांजलि





लोक आस्था का महापर्व (सूर्य षष्ठी व्रत) छठ व्रत 15 नवंबर रविवार को मनाया जाएगा



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी से तीन दिन तक चलने वाला सूर्य षष्ठी व्रत का अनुष्ठान 13 नवंबर शुक्रवार से प्रारंभ हो जाएगा । वर्तमान काल का वर्ष भर का सबसे लोकप्रिय पर्व डाला छठ (छठ पूजा) 15 नवंबर रविवार को होगी। यह एक ऐसा व्रत पर्व है जिसमें कोई शास्त्रीय एवं कर्मकांडी विधि नहीं है। अपितु यह लोकरीति कुल परंपरा एवं अपार श्रद्धा का समावेशी पर्व है। जो महिलाएं अत्यंत पवित्रता एवं सुचिता के साथ परिवार के पुरुष सदस्यों के सहयोग के साथ अत्यंत कठिन रीति रिवाज के साथ संपन्न करती हैं। रात भर तप पूर्ण प्रतिक्षा के बाद अरुणोदय समय भगवान भास्कर एवं छठी माता को द्वितीय अर्घ्य देकर 16 नवंबर सोमवार को इस व्रत को समाप्त कर पारण कर लिया जाएगा।

प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि सनातन धर्म में छठ पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से छठ पूजा आरंभ होती है, जो पूरे 4 दिनों तक रहती है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए करीब 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखती है।

छठ पूजा कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। बता दें कि इस पर्व का आरंभ नहाय खाय के साथ होता है और व्रत का पारण चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अघ्य देने के साथ समाप्त होता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि जगहों पर मनाया जाता है।

कब है छठ

छठ पूजा का पहला दिन नहाय खाय 13 नवंबर शुक्रवार

छठ पूजा का दूसरा दिन खरना 14 नवंबर शनिवार

छठ पूजा का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य 15 नवंबर रविवार

छठ पूजा का चौथा दिन उषा अर्घ्य 16 नवंबर सोमवार को होगा

इस दिन छठी माता के लिए भोग बनाया जाता है। शाम के समय मीठा प्रसाद और लौकी की खिचड़ी खाई जाती है। छठ पूजा के तीसरे दिन शाम के समय सूर्यदेव को अघ्य दिया जाता है। इसके साथ ही बांस के सूप में फल, गन्ना, चावल के लड्डू, ठेकुआ सहित अन्य सामग्री रखकर नदी, सरोवर के अंदर खड़े होकर पूजा की जाती है।

उषा अर्घ्य

छठ पूजा के चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अघ्य दिया जाता है। इस दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 36 मिनट पर है। इस दिन व्रती अपने व्रत का पारण कर लेती हैं।

राज्य स्तरीय विद्यालय मल्लखंभ ओपन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

शिव दयाल पाण्डेय

दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं जिला प्रशासन, बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को एम0 पी0 उच्च विद्यालय, बक्सर में राज्य स्तरीय विद्यालय मल्लखंभ (अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19) बालक/बालिका ओपन ट्रायल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया गया।



प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मल्लखंभ खेल में अपनी शारीरिक दक्षता, संतुलन, लचीलापन एवं तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रकार के आयोजन युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, खेल कौशल विकसित करने तथा प्रतिस्पर्धात्मक खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला प्रशासन, बक्सर द्वारा प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं। इस आयोजन से जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा युवा खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

रेजांगला शौर्य एवं यदुकुल सम्मान दिवस

रेजांगला वीरभूमि की प्रतीकात्मक झलक अब दिल्ली में

1962 के रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों को नमन। श्रद्धांजलि सभा एवं यदुकुल सम्मान समारोह में आप सादर आमंत्रित हैं।

दिनांक: 18 नवम्बर 2026 (बुधवार)

समय: प्रात: 10 बजे 7 भोजन: दोपहर 2 बजे

स्थान: तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली

मुख्य अतिथि: श्री मोहन यादव जी, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश।

शिक्षा, समाज सेवा, खेल, योग, Social media influencer, व्यवसाय, कला, यदुकुल इतिहास, पर्यावरण, कृषि/गौ सेवा, सैनिक कल्याण, संगीत, मीडिया, डॉक्टर/वैज्ञानिक एवं अहिर रेजिमेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वालों को सम्मानित किया जाएगा। प्रवेश नि:शुल्क है।

जो लेह-लद्दाख नहीं पहुंच सकते, उनके लिए दिल्ली में रेजांगला वीरभूमि की प्रतीकात्मक झलक और शहीदों को नमन करने का विशेष अवसर।

इस गौरवशाली आयोजन का हिस्सा बनने के लिए अभी रजिस्ट्रेशन करें।

निवेदक: जगदीश यादव — राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री कृष्णा यादव महासभा, पूर्व चेयरमैन, OBC आयोग दिल्ली सरकार

हेमन्त यादव — राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

महेंद्र यादव - अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश



20 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के सत्रहवें दिन उमड़ा जनसैलाब, प्रभु श्रीराम के हाथों रावण वध के साथ दिया गया सत्य और धर्म की विजय का संदेश

शिव दयाल पाण्डेय

नगर के ऐतिहासिक किला मैदान में श्री रामलीला समिति, बक्सर के तत्वावधान में आयोजित 20 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के सत्रहवें दिन मंगलवार को भव्य रावण वध कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर रावण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन, रंग-बिरंगी कलात्मक आतिशबाजी तथा कोल्ड फायर और स्मोक फायर के आकर्षक नजारों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुतला दहन के साथ ही पूरा किला मैदान 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने विजयादशमी के प्रति नगरवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रमेश गोयल ने की, जबकि संचालन समिति के सचिव बैकुंठनाथ शर्मा ने किया। समिति के कोषाध्यक्ष सुरेश संगम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

45 फीट के रावण और 40 फीट के मेघनाद के पुतलों का हुआ दहन

रावण वध कार्यक्रम को लेकर ऐतिहासिक किला मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ जुटी। मैदान में रावण का लगभग 45 फीट ऊंचा तथा मेघनाद का लगभग 40 फीट ऊंचा पुतला स्थापित किया गया था। दोनों पुतले अपनी भव्यता और आकर्षक सजावट के कारण लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे।

शाम 5:40 बजे प्रभु श्रीराम ने रावण के पुतले पर बाण चलाया। नाभि पर बाण लगते ही रावण का विशालकाय पुतला कलात्मक आतिशबाजी के बीच धू-धू कर जल उठा। इससे लगभग दस मिनट पूर्व 5.27 बजे लक्ष्मण जी द्वारा मेघनाद के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान रंग-बिरंगी रोशनी, धुएं और विशेष अग्नि प्रभावों ने पूरे मैदान को आकर्षक दृश्य से भर दिया।

पुतला दहन के साथ ही दर्शकों ने जय श्रीराम के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरा मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम जिला प्रशासन की निगरानी तथा सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीसीटीवी कैमरों की सहायता से संपन्न कराया गया।



रामलीला मंच पर हुआ मेघनाद वध और रावण वध का प्रभावशाली मंचन

पुतला दहन से पूर्व दोपहर दो बजे रामलीला मंच पर वृंदावन से पधारे श्री बाल कृष्ण रासलीला एवं रामलीला मंडल द्वारा स्वामी श्री मोहन श्याम भारद्वाज के निर्देशन में मेघनाद वध और रावण वध के प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन किया गया। मंचन में दिखाया गया कि कुंभकर्ण के वध के बाद भी रावण का अहंकार कम नहीं होता। वह अपने पराक्रमी पुत्र मेघनाद को युद्धभूमि में भेजता है, जहां लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध होता है। मेघनाद अपनी मायावी शक्तियों से लक्ष्मण जी को चुनौती देता है, लेकिन अंतत: लक्ष्मण जी के बाण से उसका वध हो जाता है।

पुत्र मेघनाद की मृत्यु से रावण शोक और क्रोध से व्याकुल हो उठता है। मंदोदरी उसे प्रभु श्रीराम से वैर त्यागकर उचित मार्ग अपनाने की सलाह देती है, लेकिन रावण अपने अहंकार और हठ के कारण युद्ध करने का निर्णय लेता है।

इसके बाद प्रभु श्रीराम और रावण के बीच निर्णायक युद्ध का मंचन हुआ। जब रावण पर विजय प्राप्त करना कठिन हुआ, तब विभीषण ने उसकी मृत्यु से जुड़ा रहस्य बताया। विभीषण के मार्गदर्शन के अनुसार प्रभु श्रीराम ने रावण की नाभि पर बाण चलाया, जिससे रावण धराशायी हो गया। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों को संदेश दिया कि अहंकार, अन्याय और अधर्म का अंत निश्चित है तथा सत्य और धर्म की सदैव विजय होती है।

रावण वध कार्यक्रम का खर्च वहन करने की घोषणा पर नगर परिषद के प्रति जताया आभार

इस अवसर पर समिति के सचिव बैकुंठनाथ शर्मा एवं संयुक्त सचिव सह मीडिया प्रभारी हरिशंकर गुप्ता ने नगर परिषद, बक्सर द्वारा वर्ष 2026 से प्रतिवर्ष रावण वध कार्यक्रम का संपूर्ण खर्च वहन करने की घोषणा का स्वागत किया। उन्होंने इसे नगर की सांस्कृतिक परंपरा के संरक्षण और विजयादशमी महोत्सव के सुचारु आयोजन की दिशा में सकारात्मक पहल बताया। और समिति की ओर से नगर परिषद की मुख्य पार्षद श्रीमती कमरून निशा एवं चेयरमैन प्रतिनिधि नियामतुल्लाह फरिदी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया।

नहाय खाय के साथ सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ आज से प्रारम्भ



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

छठ का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय खाय से शुरू होता है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अघ्य देते हैं। और सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत संपन्न किया जाता है। चार दिन चलने वाला इस पर्व में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है।

इस दिन रखा जाने वाला व्रत बेहद कठिन माना जाता है, क्योंकि इस व्रत को 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रखा जाता है।

इस वर्ष छठ पर्व की पूजा 13 नवंबर शुक्रवार से हो रही है, जिसका समापन 16 नवंबर सोमवार को होगा। यह व्रत संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है। छठ पर्व षष्ठी तिथि से दो दिन पहले यानि चतुर्थी से नहाय खाय से आरंभ हो जाता है और इसका समापन सप्तमी तिथि को पारण करके किया जाता है। छठ पर्व पूरे चार दिनों तक चलता है। इस पर्व में मुख्यत: सूर्य देव को अर्घ्य देने का सबसे ज्यादा महत्व माना गया है।

नहाय खाय तिथि-

छठ पूजा का यह महापर्व चार दिन तक चलता है इसका पहला दिन नहाय-खाय होता है। नहाय-खाय 13 नवंबर शुक्रवार को है। बता दें कि छठ पूजा की नहाय खाय की परंपरा में व्रती नदी में स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कर शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। इस दिन व्रती के भोजन ग्रहण करने के बाद ही घर के बाकी सदस्य भोजन ग्रहण करते है

खरना तिथि -

खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस साल खरना 14 नवंबर शनिवार को है। इस दिन व्रती एक समय मीठा भोजन करती हैं। इस दिन गुड़ से बनी चावल की खीर खाई जाती है। इस



प्रसाद को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर बनाया जाता है। इस प्रसाद को खाने के बाद व्रत शुरू हो जाता है। इस दिन नमक नहीं खाया जाता है।

संध्या अर्घ्य का समय-

छठ पूजा पर सबसे महत्वपूर्ण दिन तीसरा होता है। इस दिन संध्या अध्य का होता है। इस दिन व्रती घाट पर आकर डूबते सूर्य को अध्य देते हैं। इस साल छठ पूजा का संध्या अर्घ 15 नवंबर रविवार को दिया जाएगा। सूर्यास्त शाम 5:24 बजे होगा। इस दिन टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि अय के सूप को सजाया जाता है। इसके बाद नदी या तालाब में कमर तक पानी में रहकर अघ्य दिया जाता है।

उगते सूर्य को अध्य-

चौथा दिन यानी सप्तमी तिथि छठ महापर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन उगते सूर्य को अध्य देने के बाद व्रत का पारण का होता है। इस साल 15 नवंबर रविवार को उगते सूर्य को अर्धय दिया जाएगा। सूर्योदय सुबह 06:36 बजे होगा। इसके बाद ही 36 घंटे का व्रत समाप्त होता है। अध्य देने के बाद व्रती प्रसाद का सेवन करके व्रत का पारण करती हैं।

खड़गे के कथित अमर्यादित बयान के विरोध में भाजपा बक्सर ने किया पुतला दहन

शिव दयाल पाण्डेय

बक्सर/चौसा। जापान में आयोजित एशियन गेम्स से वापस लौटे बक्सर जिले के चौसा निवासी अविनाश पहलवान को बक्सर की जिलाधिकारी श्रीमती शाहिला जी ने सम्मानित किया। जिलाधिकारी श्रीमती शाहिला जी ने अविनाश पहलवान को अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं सम्मान पत्र प्रदान कर उनका मान बढ़ाया। इस सम्मान से अविनाश पहलवान के साथ-साथ चौसा और पूरे बक्सर जिले का गौरव बढ़ा है।



जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित इस सम्मान समारोह में अविनाश पहलवान की उपलब्धि की सराहना की गई। अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन से जुड़कर लौटे अविनाश पहलवान का सम्मान जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अविनाश पहलवान ने बनाई पहचान

बक्सर जिले के चौसा निवासी अविनाश पहलवान ने कुश्ती के क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से पहचान बनाई है। जापान में आयोजित एशियन गेम्स में भारतीय कुश्ती टीम के सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में उनकी सहभागिता उनकी खेल यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन से जुड़ना उनके अनुभव और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

अविनाश पहलवान को जिलाधिकारी श्रीमती शाहिला जी द्वारा अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके प्रयासों और खेल के प्रति योगदान को पहचान देने का प्रतीक है। इस अवसर ने यह संदेश दिया कि खेल के क्षेत्र में मेहनत करने वाले खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। अविनाश पहलवान की उपलब्धि से चौसा सहित पूरे बक्सर जिले के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देने की। अविनाश पहलवान की खेल यात्रा युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और लगातार मेहनत करने की प्रेरणा देती है।

जिलाधिकारी श्रीमती शाहिला जी द्वारा अविनाश पहलवान को सम्मानित किया जाना उनके लिए यादगार अवसर है। अंगवस्त्र, मोमेंटो और सम्मान पत्र के माध्यम से दिया गया यह सम्मान उनकी उपलब्धियों को पहचान देने के साथ-साथ जिले में खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन का संदेश भी देता है।



जिला उद्योग केंद्र, बक्सर में 'स्टार्टअप बैंक कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित, उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

शिव दयाल पाण्डेय

दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को नवोदित उद्यमियों एवं स्टार्टअप को बैंकिंग सुविधाओं, वित्तीय सहायता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बक्सर में 'स्टार्टअप बैंक कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं भावी उद्यमियों को उद्यम स्थापना, वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता तथा व्यवसाय के विस्तार से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना और उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र बक्सर के महाप्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक, बक्सर के जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक , नाबार्ड, बक्सर के जिला विकास प्रबंधक , मार्केटिंग विशेषज्ञ एवं जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के परियोजना प्रबंधक सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बैंक ऋण की उपलब्धता, वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं तथा उद्यमों की स्थापना एवं विकास में बैंकिंग संस्थानों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, उद्यमियों को अपने व्यावसायिक विचारों को व्यवहार्य एवं सफल उद्यम में परिवर्तित करने के लिए उचित वित्तीय योजना तैयार करने, आवश्यक दस्तावेजों की व्यवस्था करने तथा बैंकिंग संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने युवाओं एवं नवोदित उद्यमियों से स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सुविधाओं, वित्तीय सहायता एवं सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ उठाकर नए उद्यम स्थापित करने और मौजूदा व्यवसायों का विस्तार करने की संभावनाओं को साकार किया जा सकता है। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी, बल्कि जिले के औद्योगिक विकास और आर्थिक प्रगति को भी गति मिलेगी।

कार्यक्रम में बैंकिंग संस्थानों एवं उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, वित्तीय सहायता से संबंधित जानकारी का प्रसार करने तथा उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

'स्टार्टअप बैंक कनेक्ट कार्यक्रम जिला स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, युवाओं को स्वरोजगार के अवसरों से परिचित कराने तथा उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्राप्त करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

मास शिवरात्रि व्रत एवं हनुमत् जयंती आज मनाया जाएगा



प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री
कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट
चरित्रवन बक्सर बिहार

महाशिवरात्रि व्रत सहित नरक चतुर्दशी हनुमत जयंती छोटी दीपावली आज 7 नवंबर शनिवार को होगी शाम मेष लग्न में श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा दूसरे दिन सूर्योदय से पूर्व ही हनुमान जी का दर्शन पूजन कर लेना चाहिए।

प्रोफेसर मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री ने बताया कि प्रत्येक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। इस प्रकार से सालभर में कुल 12 शिवरात्रि होती हैं।

प्रत्येक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मासिक शिवरात्रि का व्र रखा जाता है। इस प्रकार से सालभर में कुल 12 शिवरात्रि होती हैं, जिसमें से फाल्गुन मास की शिवरात्रि का विशेष महत्व होता है। फाल्गुन मास की शिवरात्रि नको महाशिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। हालांकि प्रत्येक माह की शिवरात्रि मका भी विशेष महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन के साथ ही शिव जी का अभिषेक करना बहुत ही शुभ रहता है। धार्मिक मान्यता है कि मासिक शिवरात्रि का व्रत करने से शिवजी की कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा भगवान भोलेनाथ की कृपा से असंभव और कठिन कार्यों को भी पूरा किया जा सकता है। साथ ही मासिक शिवरात्रि का व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

मासिक शिवरात्रि का महत्व

मासिक शिवरात्रि शिव जी की प्रिय तिथि है। कहा जाता है कि इस दिन पूजा और व्रत करने से शिव जी प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं। समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए शिवरात्रि के दिन शिवलिंग का रुद्राभिषेक करना बहुत शुभफलदायी माना जाता है।

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि मासिक शिवरात्रि के दिन प्रात: जल्दी उठकर नित्य क्रिया से निवृत्त होकर स्नानादि करें।

इस समय यदि मंदिर नहीं जा सकते तो घर पर रहकर ही पूजा करें।

सबसे पहले शिव जी के समक्ष पूजा स्थान में दीप प्रज्वलित करें। यदि घर शिवलिंग है तो दूध, और गंगाजल आदि से अभिषेक करें।

शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा आदि अवश्य अर्पित करें।

इस दिन भगवान शिव के साथ माता पार्वती की पूजा भी करनी चाहिए।

पूजा करते समय नम: शिवाय मंत्र का उच्चारण करते रहें।

भगवान शिव को भोग लगाएं और आरती करें।

DM एवं SP के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर खेल का विधिवत उद्घाटन किया गया

शिव दयाल पाण्डेय

खेल विभाग, बिहार, पटना एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना, तथा जिला प्रशासन, बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्यस्तरीय (अंतर प्रमंडल) विद्यालय खो-खो (बालक) खेल प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ आज स्थानीय एमपी उच्च विद्यालय के खेल मैदान में हुआ।



जिसमें कुल 09 प्रमण्डल एवं 1 एकलव्य की टीम सहित कुल 360 खिलाड़ी भाग ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता 27 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित की जा रही है।

प्रतियोगिता के प्रथम दिन मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी बक्सर, श्री साहिला एवं पुलिस अधीक्षक बक्सर, श्री शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर खेल का विधिवत उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्त्ता बक्सर, श्री रवि बहादुर, वरीय उप समाहर्ता बक्सर , उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बक्सर, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी,जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बक्सर सहित जिले के कई अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

साथ ही इस मौके पर जिला पदाधिकारी द्वारा श्री विजेन्द्र राय, अन्तराष्ट्रीय तैराकी पदक विजेता एवं दूसरी एशियन मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता 2026 पादुकोण द्रविड सेंटर फार स्पोर्ट्स एक्सीलेंस, बेंगलुरू में पदक विजेता खिलाड़ी को शाल, बुके, मोमेंटो, सम्मान पत्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया।

श्री मुक्ति नारायण पाठक, तीरंदाजी के राष्ट्रीय खिलाड़ी द्वारा एमपी उच्च विद्यालय बक्सर में धनुर्विद्या प्रशिक्षण हेतु शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन जिला पदाधिकारी द्वारा फीता काटकर एवं लक्ष्य पर निशाना लगाकर किया गया।

उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न प्रमंडलों से आए खिलाड़ियों द्वारा शानदार मार्च पास्ट किया गया और उपस्थित अधिकारियों को सलामी दी गई। इसके उपरांत, सांस्कृतिक की छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसने मैदान में मौजूद सभी दर्शकों और अतिथियों का मन मोह लिया।

खेल को पूरी निष्पक्षता और खेल भावना के साथ खेलने के लिए सभी खिलाड़ियों को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात, मुख्य अतिथि जिला पदाधिकारी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और टॉस कराकर प्रतियोगिता के पहले मैच की विधिवत शुरुआत कराई।

यह प्रतियोगिता अगले दो दिनों तक जारी रहेगी, जिसमें राज्य के विभिन्न प्रमंडलों का मैच अभी जारी है। आज परिणाम निम्नवत है –

1. अन्डर-14 पटना ने दरभंगा को 1 पाली 5 अंक से हराया।
2. अन्डर-17 पटना ने दरभंगा का 1 पाली 2 अंक से हराया।
3. अन्डर-19 दरभंगा ने पूर्णिया को 11 अंक से हराया।
4. अन्डर-14 भागलपुर ने तिरहुत को 1 पाली 4 अंक से हराया।
5. अन्डर-14 मुंगेर ने पूर्णिया को 1 पाली 10 अंक से हराया।
6. अन्डर-17 मुंगेर ने कोशी को 1 पाली 15 अंक से हराया।
7. अन्डर-14 मगध ने कोशी को 1 पाली 06 अंक से हराया।

फाउंडेशन स्कूल के विद्यार्थियों को दी गई कानून एवं बाल अधिकारों की जानकारी

'सुरक्षित बचपन' जागरूकता अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन

शिव दयाल पाण्डेय

बक्सर। फाउंडेशन स्कूल, बक्सर में आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय के प्रयासों से संचालित 'सुरक्षित बचपन' विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा से संबंधित कानूनों तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में उचित सहायता प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराना था।

इस अवसर पर सिविल कोर्ट, बक्सर से डालसा (DLSA) की पैनल सदस्य अधिवक्ता श्रीमती आरती कुमारी एवं पीएलवी (PLV) श्री शिव दयाल पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज त्रिगुण ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान पैनल सदस्या श्रीमती आरती कुमारी ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, गुड टच-बैड टच, बाल श्रम, बाल विवाह तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम, 2012 (POCSO Act) के बारे में बताते हुए कहा कि यह कानून बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने के लिए बनाया गया है। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत विशेष न्यायालयों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी भी अनुचित व्यवहार या घटना की स्थिति में चुप रहने के बजाय विश्वसनीय अभिभावक, शिक्षक अथवा संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी देना आवश्यक है। साथ ही, उन्होंने बच्चों को सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा संभावित घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की अपील की।

वहीं, PLV ,श्री शिव दयाल पांडेय ने न्यायालयों की कार्यप्रणाली, बच्चों से संबंधित कानूनों, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा साइबर अपराध से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून का सम्मान करने, नियमों का पालन करने तथा जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बाल सुरक्षा और पॉक्सो अधिनियम से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल भाषा में समझाते हुए बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

विद्यालय के सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान अत्यंत उत्साह एवं गंभीरता के साथ अतिथियों की बातें सुनीं। अनेक विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण जानकारियों एवं हेल्पलाइन नंबरों को अपनी कॉपियों में नोट भी किया। इस कार्यक्रम ने बच्चों को अपनी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्री मनोज त्रिगुण ने दोनों अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी को अपने व्यवहार में अपनाने, किसी भी असुरक्षित परिस्थिति में सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित सहायता लेने की अपील की। उन्होंने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को बच्चों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि कानून की जानकारी प्रत्येक बच्चे के लिए आवश्यक है। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सुरक्षा-बोध एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ-साथ एक जागरूक और संवेदनशील समाज के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

प्रबन्धक व संरक्षक
रमेश कुमार श्रीवास्तव जनार्दन तिवारी
प्रवीण कुमार गुप्ता भवानी शंकर शुक्ल

कानूनी सलाहकार
अवधेश कुमार सिंह 9910050625

समाचार सम्पादक: के.डी. पाठक (7530812808)
munnapathak5@gmail.com

सह सम्पादक:
संतोष कुमार सिंह (अधिवक्ता) (9999216027)

उप सम्पादक: आलोक तिवारी (9871278770)

ब्यूरो प्रमुख दिल्ली
डीडी-36, नेहरू एन्कलेव, कालका जी, नई दिल्ली-110019 मो.. 7982770448
राजेन्द्र खन्ना 9013486800
सुमंत कुमार सिंह 9910063145
विक्रांत पाठक 9958383902

ब्यूरो उत्तर प्रदेश
कार्यालय: चित्तू पांडेय चौराहा, नियर गांधी आश्रम, रेलवे क्रासिंग, बलिया
शिवाशंकर चौबे 09415658097
श्रीदास प्रजापति 09927722167
कैलाशपति मिश्र 9451127678
आनंद मोहन मिश्रा 9454945697

ब्यूरो बिहार
कार्यालय: 3, अनिकेत, आईएएस कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना बिहार-800001
प्रो. मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री 09431846621
शिवदयाल पाण्डेय 09608432100
बिपीन कुमार तिवारी 09852250069
मुकेश कुमार सिंह (मुजफ्फरपुर) 09507086333

ब्यूरो झारखंड
अवधेश कुमार सिंह 09431154315

ब्यूरो प. बंगाल
59, आशुतोष मुखर्जी लेन, सालकिया, हाबड़ा
राजेश कुमार पाण्डेय 09830460460

संवाददाता एवं छायाकार
देवेन्द्र कुमार 9899214567
श्रीकांत विश्वास 9136556070

सभी पद अवैतनिक हैं।

बिहार विधान परिषद चुनाव में RJD को डबल फायदा, NDA की एक सीट घटी; जन सुराज ने भी खोला खाता

सुमित रंजन पाण्डेय

पटना। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों के चुनाव परिणामों ने राज्य की राजनीतिक तस्वीर में कई अहम बदलाव किए हैं। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की इन सीटों पर आए नतीजों में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को पिछली बार के मुकाबले एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी ओर, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल कर विधान परिषद में अपना खाता खोल लिया। चुनाव में दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की।

इन परिणामों को बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि चुनाव में कई दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि राजद ने उन सीटों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, जहां पिछले चुनाव में पार्टी का खाता नहीं खुला था।

RJD ने दो सीटें जीतकर बढ़ाया राजनीतिक प्रभाव: बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल को सबसे महत्वपूर्ण सफलता मिली। पार्टी ने पटना शिक्षक और दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। इन दोनों सीटों पर जीत के साथ राजद ने विधान परिषद में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया है।

पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से राजद के डॉ. संजीव कुमार सिंह ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान एमएलसी नवल किशोर यादव को हराकर बड़ा उलटफेर किया। नवल किशोर यादव लगातार कई बार इस सीट से जीत दर्ज करते रहे थे। ऐसे में उनकी हार को भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

वहीं, दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से राजद के अनिल झा ने जीत हासिल की। इस जीत से पार्टी को दूसरी महत्वपूर्ण सफलता मिली। चुनाव से पहले इन आठ सीटों में राजद के पास कोई सीट नहीं थी। इस बार दो सीटों पर जीत दर्ज कर पार्टी ने अपना खाता खोलने के साथ ही अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया।

NDA को एक सीट का नुकसान:

चुनाव परिणामों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भी झटका लगा है। पिछले चुनाव में इन आठ सीटों में गठबंधन के पास चार सीटें थीं, जबकि इस बार उसे तीन सीटों से संतोष करना पड़ा।

इस चुनाव में भाजपा ने दो सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को एक सीट मिली। भाजपा के नरेंद्र प्रसाद सिंह ने तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। वहीं, कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉ. एन.के. यादव विजयी रहे। जदयू के नीरज कुमार ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की।

हालांकि, भाजपा ने कुछ सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी, लेकिन पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के अनुभवी नेता नवल किशोर यादव की हार ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए। इस परिणाम ने यह भी स्पष्ट किया कि स्थानीय निर्वाचन क्षेत्रों में लंबे समय से स्थापित राजनीतिक पकड़ को चुनौती मिल सकती है।

जन सुराज की विधान परिषद में एंट्री

इस चुनाव का एक बड़ा परिणाम जन सुराज पार्टी के लिए रहा। पार्टी ने दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार डॉ. सुरेश प्रसाद राय को मैदान में उतारा था। उन्होंने जीत दर्ज कर जन सुराज को बिहार विधान परिषद में पहली बार प्रतिनिधित्व दिलाया।

दरभंगा शिक्षक सीट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा को हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार कांग्रेस के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।

जन सुराज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी ने बिहार की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने के उद्देश्य से चुनाव लड़ा था। विधान परिषद में प्रवेश से पार्टी को राज्य की राजनीति में अपनी उपस्थिति मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी के लिए यह परिणाम भविष्य की राजनीतिक रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। हालांकि, एक सीट पर जीत को राज्यव्यापी जनसमर्थन का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता, लेकिन इससे पार्टी को संगठन विस्तार और राजनीतिक पहचान बनाने में मदद मिल सकती है।

निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी दिखाया दम

आठ सीटों के चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार राहुल राज ने जीत हासिल की। वहीं, तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार बंशीधर ब्रजवासी विजयी रहे।

इन परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच स्थानीय उम्मीदवारों की अपनी पहचान और प्रभाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां केवल राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न और बड़े नेताओं का प्रचार ही जीत की गारंटी नहीं बनता।

निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत ने यह भी दिखाया कि स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत संपर्क और मतदाताओं के बीच उम्मीदवार की स्वीकार्यता का चुनाव परिणामों पर असर पड़ सकता है।

शिक्षक और स्नातक सीटों पर बदले राजनीतिक समीकरण

बिहार विधान परिषद की जिन आठ सीटों पर चुनाव हुए, उनमें चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र और चार स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे। इन सीटों पर शिक्षकों और स्नातक मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना से राजद के डॉ. संजीव कुमार सिंह, सारण से निर्दलीय राहुल राज, दरभंगा से जन सुराज के डॉ. सुरेश प्रसाद राय और तिरहुत से भाजपा के नरेंद्र प्रसाद सिंह ने जीत हासिल की।

वहीं, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना से जदयू के नीरज कुमार, कोसी से भाजपा के डॉ. एन.के. यादव, तिरहुत से निर्दलीय बंशीधर ब्रजवासी और दरभंगा से राजद के अनिल झा विजयी रहे।

जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

आनंद मोहन मिश्रा

बलिया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा- निर्देशों के तहत शुक्रवार को जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी सात विधानसभा क्षेत्रों—357- बेल्थरारोड (अ.जा.), 358-रसड़ा, 359- सिकन्दरपुर, 360-फेफना, 361-बलिया नगर, 362- बांसडीह, एवं 363-बैरिया के गोदामों में जाकर सुरक्षा और प्रबंधन की स्थिति का जायज़ा लिया।



निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं भारत निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण करते हुए उन्होंने यह जानकारी ली कि कितनी टीवी स्क्रीन लगाई गई हैं और रिकॉर्डिंग की क्या व्यवस्था है। लॉग बुक का भी अवलोकन कर यह सुनिश्चित किया गया कि सभी गतिविधियों का विधिवत रिकॉर्ड रखा जा रहा है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अख्तर हसन तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण परिवर्तन की सदस्यता के लिए राशि निम्न खाता संख्या में डालें:
SAMPURNA PARIVARTAN
A/C No. 324902000000095
IFSC- I0BA0003249
(इंडियन ओवरसीज बैंक, शाखा बदरपुर, दिल्ली-44)



मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज में शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

संविधान, मौलिक अधिकारों और लीगल लिटरेसी क्लब के संचालन की दी गई जानकारी

आनंद मोहन मिश्रा

बलिया। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया श्री अनिल कुमार झा के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के तत्वावधान में आज दिनांक 30.10.2026 को स्थान - मुरली मनोहर टाउन इण्टर कालेज, बलिया में शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी, सचिव (पूर्ण कालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को न्यायिक अधिकारीगण श्रीमती सृष्टि त्रिपाठी, श्री सत्येन्द्र कुमार मौर्या एवं सुश्री स्निग्धा प्रधान द्वारा संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान निर्माताओं के योगदान एवं संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार तथा संवैधानिक उपचार (अनुच्छेद 32 एवं 226), राज्य के नीति निदेशक तत्व एवं मौलिक कर्तव्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी द्वारा उपस्थित शिक्षकों को विद्यालयों में लीगल लिटरेसी क्लब के प्रभावी संचालन के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।



इसमें क्लब के सदस्यों का गठन, आवश्यक रजिस्टरों का रख-रखाव एवं कार्ययोजना तैयार करने तथा विधिक जागरूकता अभियान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया।प्रशिक्षण के दौरान बच्चों के संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों, विशेषकर लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), बाल विवाह निषेध कानून एवं बाल श्रम निषेध कानून के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही नि:शुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत की उपयोगिता एवं टोल फ्री विधिक सहायता हेल्पलाइन नम्बर 15100 के संबंध में विस्तार से बताया गया, ताकि नोडल शिक्षक इन जानकारियों को विद्यालय के विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में स्थापित लीगल लिटरेसी क्लबों को सक्रिय एवं प्रभावी बनाना तथा विद्यार्थियों में संविधान के प्रति सम्मान, विधिक जागरूकता, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की समझ विकसित करना है, जिससे वे जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री ओम प्रकाश यादव, ए0डी0आई0ओ0एस0, श्री गुरू स्वरूप प्रधानाचार्य मुरली मनोहर टाउन इण्टर कालेज बलिया, श्री प्रमोद श्रीवास्तव प्रधानाचार्य, पैनल अधिवक्ता श्री प्रेमशंकर वर्मा व श्री अरविन्द्र कुमार तिवारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर मजबूत राष्ट्र का करें निर्माण: डीएम

आनंद मोहन मिश्रा

बलिया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ



मनाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश की सुरक्षा बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से देश की 565 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में शामिल कराने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार पटेल के प्रयासों से ही एक मजबूत और एकीकृत भारत का निर्माण संभव हो सका। उनका जीवन हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण, एकता और अखंडता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे आपसी सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने तथा देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीडीओ आलोक कुमार, एडीएम अनिल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला पदाधिकारी ने अनुमंडलीय अस्पताल, डुमराँव में डायलिसिस सुविधा का किया निरीक्षण

शिव दयाल पाण्डेय

दिनांक 26 अक्टूबर 2026 को जिला पदाधिकारी, बक्सर श्रीमती साहिला द्वारा अनुमंडलीय अस्पताल, डुमराँव में संचालित डायलिसिस सुविधा का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित चिकित्सकों



एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए उन्हें सभी आवश्यक सहयोग एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन बक्सर को डायलिसिस केंद्र की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा चिकित्सकों की ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के क्रम में अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति में कमियाँ पाई गईं। इस पर जिला पदाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन बक्सर को अस्पताल परिसर में समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल भवन का आवश्यक रंग-रोगन कराने तथा उपलब्ध एवं नवीन चिकित्सा सुविधाओं को व्यवस्थित ढंग से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को सुविधाओं की समुचित जानकारी मिल सके। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस दिशा में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तत्परता एवं जवाबदेही के साथ सुनिश्चित करें।

बलिया कलेक्ट्रेट के गंगा बहुउद्देशीय सभागार का बदला स्वरूप, रंग-बिरंगी स्टेज लाइटिंग से जगमगाया मंच

आनंद मोहन मिश्रा

बलिया। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बलिया कलेक्ट्रेट



को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्थाओं से युक्त मॉडल कलेक्ट्रेट बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गंगा बहुउद्देशीय सभागार के सुंदरीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है।

वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दुबे के नेतृत्व में गंगा बहुउद्देशीय सभागार के मंच पर आधुनिक स्टेज लाइटिंग एवं डीजे लाइट शो की व्यवस्था कराई गई है। रंग-बिरंगी घूमती हुई लाइटों से सभागार का मंच आकर्षक रोशनी से जगमगा उठा है। नई लाइटिंग व्यवस्था के बाद सभागार का स्वरूप पहले से अधिक आधुनिक और भव्य नजर आने लगा है।

इस व्यवस्था से अब गंगा बहुउद्देशीय सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बड़े आयोजनों, रंगारंग प्रस्तुतियों और विभिन्न प्रकार के भव्य मंचीय कार्यक्रमों का आयोजन और बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। विशेष बात यह रही कि वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद दुबे ने अपनी पूरी टीम के साथ सभागार में लगाई जा रही स्टेज लाइटिंग एवं साउंड सिस्टम का स्वयं निरीक्षण किया। उन्होंने मंच पर लगाई गई रंग-बिरंगी लाइटों, लाइट शो, डीजे लाइट शो तथा सभागार के अंदर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्था को अंतिम रूप दिलाया।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशन में कलेक्ट्रेट परिसर को आधुनिक, आकर्षक और जनसुविधाओं से युक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में यह पहल एक नया आयाम जोड़ रही है।

विभिन्न स्टालों के माध्यम से आमजन को किया गया जागरूक

आनंद मोहन मिश्रा

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के तत्वाधान में गंगा बहुउद्देशीय सभागार में एक भव्य मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री अनिल कुमार झा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी बलिया श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक बलिया डॉ0 ईरज राजा के उपस्थिति में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को नि:शुल्क कानूनी सहायता और सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना था।

आज दिनांक 01.11.2026 को श्रीमान् पुलिस अधीक्षक बलिया डॉ0 ईरज राजा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार बलिया में आयोजित वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) में मिशन शक्ति फेज-06 के अंतर्गत मिशन शक्ति टीम द्वारा वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर (मेगा शिविर) में मिशन शक्ति फेज-06 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक, किया गया। तथा यातायात पुलिस द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा,



यातायात नियमों के पालन और दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान मिशन शक्ति तथा एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों एवं शासन द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सड़क सुरक्षा एवं नियमों के पालन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। बलिया पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण यातायात नियमों एवं यातायात नियमों के पालन हेतु निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।



स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक जितेन्द्र नाथ तिवारी ने पुष्पक प्रेस प्रा. लि., शेड नं. 203-204, DSIDC Complex, ओखला इंडस्ट्रियल ऐरिया, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर जे-419, ब्लॉक-जे, अर्पण विहार, जैतपुर एक्स. दिल्ली-44 से प्रकाशित।
E-mail: editorial.sampurnaparivartan@gmail.com
E-mail: jntiwari57@gmail.com
E-mail: sampurnaparivartan@gmail.com
Twitter: sampurnaparivartan@gmail.com
Facebook: www.facebook.com/sampurna.parivartan
RNI No.- DELHIN/2015/66896
Mob.:9910371245, 9968508494,9451448877

(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा)